सत्रीय कार्य पुस्तिका

(जनवरी, 2024 और जुलाई, 2024 सत्र के लिए)

जैविक खेती में प्रमाणपत्र
(सी ओ एफ)

शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए सत्रीय कार्य

टिप्पणी: विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे सर्वप्रथम सत्रीय कार्य / प्रश्नों निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्रीय कार्य के विषय को समझ लें। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक इकाई के प्रासंगिक अंक और उपअंश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर अपने शब्दों में अपना उत्तर तैयार करें। आपका उत्तर उध्ययन सामग्री/खंड जो कि स्वअध्ययन के लिए प्रदान किए गये हैं उनकी अभिव्यक्ति मात्र नहीं होना चाहिए। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि सत्रीय कार्य तैयार करने के पूर्व आप अगर सम्भव हो तो अतिरिक्त सामग्री जो कि आपके अध्ययन केन्द्र पर अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध है का भी अध्ययन कर सकते हैं। परन्तु अतिरिक्त अध्ययन इन सत्रीय कार्य को तैयार करने के लिए जरूरी है।

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा की आपको ज्ञात है कि सैद्धान्तिक अंतिम चरण के लिए 80% महत्व सैद्धान्तिक परीक्षा तथा 20% महत्व तथा सौपें हुए कार्य (सत्रीय कार्य) का महत्व होगा। सौपें हुए कार्य को तैयार करने के निर्देश नीचे दिए जा रहे हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य 50 अंकों का होगा यानि संपूर्ण कार्यक्रम के लिए कुल 4 सत्रीय कार्य होगें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों को होगा जो कि बाद में सैद्धान्तिक परीक्षा के 20% के बराबर होगा।

सत्रीय कार्य तैयार करने के लिए निर्देश

1. सत्रीय कार्य लिखने से पहले निम्नलिखित निर्देशों का अच्छी प्रकार अध्ययन कर ले। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर विस्तृत सूचना आरूप में दे।

नामांकन संख्या.....
नाम.....
पता .....
.....
.....

पाठ्यक्रम नियमावली.....
पाठ्यक्रम शीर्षक .....
अध्ययन केंन्द्र..... दिनांक.....
(नाम तथा नामावली)

मूल्यांकन को सरल बनाने तथा देरी से बचाव के लिए कृपया दिये गये आरूप का सख्ती से पालन करें।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए पूर्ण आकार के पन्ने का प्रयोग करें।
3. अपनी अभ्यासपुस्तिका के शीर्ष, तले तथा बायीं ओर 4 सेन्टीमीटर का स्थान खाली छोड़ें।
4. उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या और प्रश्न के उस भाग को जिसको हल किया गया है अच्छी प्रकार इंगित करें।

सत्रीय कार्य संख्या	जमा करने की तारीख (जनवरी, 2024 के लिए)	जमा करने की तारीख (जुलाई, 2024 के लिए)
सत्रीय कार्य 1 (BAP-001) सत्रीय कार्य 2 (BAPI-001) सत्रीय कार्य 3 (BAPI-002) सत्रीय कार्य 4 (BAPI-003)	30 मार्च, 2024 से पहले (परीक्षा फार्म भरने से पहले)	15 सितम्बर, 2024 से पहले (परीक्षा फार्म भरने से पहले)

5. विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तारीख तक सत्रीय कार्य जमा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय अनुसूची के अनुसार सत्रांत परीक्षा (टीईई) के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने से पहले आप अपने सभी सत्रीय कार्य जमा कर सकते हैं।
6. हम बलपूर्वक सुझाव देते हैं कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रतिलिपी अपने पास जरूर रखें।

शुभकामनाओं सहित।

सत्रीय कार्य – 1
पाठ्यक्रम कोड: **BAP-001**
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक खेती का परिचय

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. जैविक खेती के महत्वपूर्ण लक्षणों की चर्चा करें। इसकी लाभों एवं सीमाओं की व्याख्या करें। 10

प्रश्न 2. जैविक खेती का आधार क्या है? खेत एक जीव है की संकल्पना पर व्याख्या करें। आप अपने उदाहरण देकर अपने उत्तर को सिद्ध कर सकते है। 10

प्रश्न 3. पारिस्थितिकी में कृषि में प्रयोग किए जाने वाले रसायन कैसे नुकसानदायक होते है? रसायनिक खेती के परिणाम के साथ चर्चा करें। 10

प्रश्न 4. हमारे देश में सहभागिता जैव प्रमाणन जैविक खेती को बढ़ावा देने में कैसे सहायक है? उचित उदाहरण के साथ व्याख्या करें। 10

प्रश्न 5. भारतीय सन्दर्भ में अर्न्तराष्ट्रीय जैविक मानकों के महत्व की व्याख्या करें। 10

सत्रीय कार्य – 2
पाठ्यक्रम कोड: **BAPI-001**
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक उत्पादन पद्धति

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. एक जैविक खेत की उचित खाका (रेखांकित) की चर्चा करें। उचित चित्रण के माध्यम से व्याख्या करें। 10

प्रश्न 2. सिंचाई के जल का क्या अभिप्राय है? जैविक खेती में सिंचाई जल की गुणवत्ता का जाँच क्यों आवश्यक है? खराब गुण वाले सिंचाई के जल द्वारा जैविक खेत में संदूषण बचाने के उपायों की भी चर्चा करें। 10

प्रश्न 3. जैविक खेत के लिए तरल खाद बनाने की विधि की व्याख्या करें। ये ठोस खाद से कैसे अच्छी है। 10

प्रश्न 4. जैव उर्वरकों के लक्षणों एवं प्रकारों की व्याख्या करें। जैव उर्वरक जैविक खाद से अलग कैसे है? 10

प्रश्न 5. जैविक खेती में बिमारी एवं कीट एक गम्भीर समस्या है। कृपया इनके प्रबन्धन हेतू उचित तकनीकीयों की चर्चा करें। 10

सत्रीय कार्य – 3
पाठ्यक्रम कोड: BAPI-002
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक उत्पाद का निरिक्षण एवं प्रमाणीकरण

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. अनुपालन के प्रमाण पत्र से आप क्या समझते है? विभिन्न तरह के प्रमाण पत्रों की चर्चा करें। 10

प्रश्न 2. कृपया खेत पर उपलब्ध क्रियाकलाप रजिस्टर के प्रारूप को दर्शायें। एक जैविक खेत पर रखे गये इनपुट रिकार्ड खेत के निरिक्षण में कैसे सहायक है। 10

प्रश्न 3. समूह प्रमाणन के लिए जरूरी कागजातों के लक्षणों की चर्चा करें। किन्ही पाँच के खाका को दर्शायें। 10

प्रश्न 4. भारत के जैविक चिन्ह (Logo) को बनायें। इसके प्रयोग की शर्तों की चर्चा करें। 10

प्रश्न 5. उचित उदाहरण के साथ प्रमाणन संस्थाओं की प्रमाणन (Accreditation) प्रक्रिया तथा मूल्यांकन की चर्चा करें। 10

सत्रीय कार्य – 4
पाठ्यक्रम कोड: BAPI-003
पाठ्यक्रम शीर्षक: जैविक उत्पादों का विपणन और अर्थशास्त्र

अधिकतम अंक–50

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा समान अंक के हैं।

प्रश्न 1. जैविक खेती के अर्थशास्त्र से आपका क्या अभिप्राय है? इसे कैसे प्राप्त किया जाता है। 10

प्रश्न 2. उपभोक्ता जैविक उत्पादों को क्यों पसन्द करते है? जैविक उत्पादों के विक्रय में सहायक कारकों को दर्शायें। 10

प्रश्न 3. राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय जैविक बाजार का वर्तमान में स्थिति को दर्शायें। हमारे देश में जैविक विपणन पद्धति की सीमाओं की चर्चा करें। 10

प्रश्न 4. हमारे देश में जैविक फल एवं सब्जियों के सप्लाई चेन (Supply Chain) की व्याख्या करें। 10

प्रश्न 5. विपणन कार्यो (Functions) की सामान्य अवधारणा की व्याख्या करें। 10